

## बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे कवि सुब्रमण्यम् भारती



ैली निकालते किसान।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 11 दिसंबर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आज महान कवि, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम् भारती जी के जन्मदिवस को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया। केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने बताया कि महाकवि स्व. सुब्रमण्यम् भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तमில்நாடு के तिऩவैली जिले में हुआ

था। उन्होंने अपनी देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए समर्पित देशभक्तों की रगों व मन मस्तिष्क में एक नए उत्साह व जोश को बढ़ावा दिया था। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम् भारती जी केवल तमில भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे। बुद्धिमत्ता, लेखन, दर्शन विशेषज्ञ, राष्ट्र प्रेमी लेखक थे। डॉक्टर खान ने बताया की कवि जी की बंगाली, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी व फ्रेंच भाषाओं पर अज्ञी पकड़ थी। उनकी प्रखर बुद्धिमत्ता के कारण 11 वर्ष की आयु में भारती की उपाधि से सुशोभित किया

गया। वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 1902 में सुब्रमण्यम् भारती ने जीवकोपार्जन के उद्देश्य अध्यापन कार्य शुरू कर दिया था। तथा विभिन्न पुस्तकों व काव्य ग्रंथों का गहन अध्ययन करते थे। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह, डा. निमिषा अवस्थी, डॉ विनोद प्रकाश, वैज्ञानिक डॉ शशिकांत के अलावा छत्र, किसान एवं प्रगतिशील महिला किसानों सहित लगभग 100 से अधिक प्रतिभागी आदि मौजूद रहे।



लक्षण

वर्ष: 14 | अंक: 62

मूल्य: ₹3.00/-

पृष्ठ: 12

लोकार्पण | 12 दिसंबर, 2022

# जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

## सुब्रमण्यम् भारती का जन्मदिन भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया

**जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर**

सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बीते दिन रविवार को महान कवि, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम् भारती का जन्मदिवस भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया।

केंद्र प्रभारी डॉ. मिथिलेश वर्मा ने बताया कि स्व. सुब्रमण्यम् भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तमில்நாடு के तिऩவैली ज़िले में हुआ था। उन्होंने देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से देशभक्तों की रगों व मन मस्तिष्क में नए उत्साह व जोश को बढ़ावा दिया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवि सुब्रमण्यम्



भारती बुद्धिमत्ता, लेखन, दर्शन विशेषज्ञ, राष्ट्र प्रेमी लेखक थे। उनकी बंगाली, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी व फ्रेंच भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। उन्हें प्रखर बुद्धिमत्ता के कारण 11 वर्ष की आयु में भारती की उपाधि से सुशोभित किया गया। कार्यक्रम में छात्र, किसान एवं प्रगतिशील महिला किसान मौजूद रहे।

# सुब्रमण्यम भारती केवल तमिल भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे

**डीटीएनएन**

कानपुर। सीएसए के केवीके पर महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। मा. मंत्री शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता भारत सरकार एवं चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश के त्रैम में आज 11 दिसंबर 2022 को महान् कवि, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिवस को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने बताया कि महाकवि स्व. सुब्रमण्यम भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तमिलनाडु के तिनवैली जिले में हुआ था उन्होंने अपनी देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए समर्पित देशभक्तों की रगों व मन मरितष्ठ में एक नए उत्साह व जोश को बढ़ावा दिया था इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने छात्रों व किसानों को संवोधित करते हुए बताया कि प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम भारती जी केवल तमिल भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे। बुद्धिमत्ता, लेखन, दर्शन विशेषज्ञ, राष्ट्र प्रेमी लेखक थे। डॉक्टर खान ने बताया कि कवि जी की बंगाली, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी व फैंच भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। उनकी प्रखर बुद्धिमत्ता के कारण 11 वर्ष की आयु में भारती की उपाधि से सुशोभित किया गया वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने



बताया कि 1902 में सुब्रमण्यम भारती ने जीवकोपार्जन के उद्देश्य अध्यापन कार्य शुरू कर दिया था जिसमें पुस्तकों व काव्य ग्रंथों का गहन अध्ययन करते थे। इस अवसर

पर अतिथियों का स्वागत गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी को धन्यवाद डॉ विनोद प्रकाश ने दिया। संचालन वैज्ञानिक

डॉ शशिकांत ने किया। इस कार्यक्रम पर छात्र, किसान एवं प्रगतिशील महिला किसानों सहित लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सहारा 12/12/2022

## महाकवि सुब्रमण्यम्

### भारती को किया याद

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में रविवार को महान् कवि, समाज सुधारक व स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम् भारती के जन्मदिवस को 'भारतीय भाषा उत्सव' के रूप में मनाया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र दलीपनगर में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र प्रभारी डॉ.मिथिलेश वर्मा ने बताया कि 11 दिसंबर, 1882 को तमिलनाडु के तिनवैली जिले में जन्मे महाकवि स्व.सुब्रमण्यम् भारती ने अपनी देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से मातृभूमि को स्वतंत्र कराने की अलख जगाई। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान, वैज्ञानिक डॉ.अरुण कुमार सिंह, डॉ.अजय कुमार सिंह, डॉ.निमिषा अवस्थी, डॉ.विनोद प्रकाश व डॉ.शशिकांत ने भी महाकवि पर अपने विचार व्यक्त किये।

# WORLD खबर एक्सप्रेस

महाकवि सुब्रगण्यम नाटी की जन्म जयंती

सीएसए के केवीके पर भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया



काशीपुर। मा. मंजी लिथा, कौशल विकास और डॉमारीलता भारत सरकार एवं चंद्र शेखर आजाद तूर्य एवं ग्रीष्मीयिक विचारितात्व कानून के कूलपति डॉक्टर दीप्ता प्रियंका के निर्देश के तहम में इजाव दिनांक 11 दिसंबर 2022 को मनाया गया, साथान सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुधारण्यम भारती जी के जन्मदिवस पर भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कोइ वही प्रभारी अधिकारी तर्ह विद्यार्थी वर्षीयों ने बताया कि महाकवि स्व. सुधारण्यम भारती वर्ष जन्म 11 दिसंबर 1882 की समितनवाहु के तिनवीली विसंगति में हुआ था तभीने उन्हीं देखभाकि गुण वीरी व कविताभी

के महात्म्य से ज्ञातभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए समर्पित देशभक्तों की रखें व मन महिलाओं में एक नए जानकार य जीव को बढ़ावा दिया था। इस अवसर पर गुरु वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने उन्होंने व किसानों को संवेदित करते हुए बताया कि प्रतिदू त्वयि सुधारण्यम भारती जी के बहुत समित भाषा ही वही वैज्ञानिक भारत के बहुत राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे।

सुदिमता, लेखक, दर्शक, किलेपत्र, गान्धी प्रेमी लेखक थे। डॉक्टर खान ने बताया की कवि जी की जंगली, हिरी, सिंहत, भींडी य कैच भाषाओं पर अच्छी एकाढ़ थी। उनकी प्रश्न जुटिपत्र के बारे 11 वर्ष की आय में

भरती जी उपर्युक्त से मुलोंधित किया गया वैज्ञानिक डॉ अरुण चूमार सिंह ने बताया कि 1902 में सुधारण्यम भारती ने जीवकोशब्दन के उद्देश्य अध्ययन कार्य शुरू कर दिया था जिसका अध्ययन करते हुए बताया जाता विभिन्न शुल्कों व कार्य चुंबी का गहन अध्ययन करते हैं। इस अवसर पर अनियिकों का स्वागत गृह वैज्ञानिक डॉक्टर विमला अवसरी ने किया। जारीकाम के समर्पण अवसर पर सभी वो धन्यवाद डॉ विमला प्रकाश ने दिया। संखालव वैज्ञानिक डॉ जाहिरानी ने किया। इस कार्यक्रम पर सात्र, किसान एवं प्रगतिशील वहिता किसानी सहित समाप्त 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

सिंह आद माजुद रहे। जासं

दैनिक जागरण कानपुर 12/12/2022

## सुब्रमण्यम् भारती की जन्मतिथि पर हुआ भाषा उत्सव

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि  
एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा  
महाकवि, समाज सुधारक व स्वतंत्रता  
सेनानी सुब्रमण्यम् भारती की  
जन्मतिथि को 'भारतीय भाषा उत्सव'  
के रूप में मनाया गया। डा. मिथिलेश  
वर्मा ने बताया कि सुब्रमण्यम् भारती  
का जन्म तमिलनाडु के तिनवैली जिले  
में हुआ था। उन्होंने गीतों व कविताओं  
से देशभक्तों के मन में नया उत्साह व  
जोश भरा। डा. अरुण कुमार सिंह,  
डा. अजय कुमार आदि रहे। वि.